भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1588
31 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात नीति के अंतर्गत उत्पादन और निर्यात संबंधी लक्ष्य

1588. **श्री राजिन्दर गुप्ताः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की तुलना में कच्चे इस्पात (क्रूड स्टील) के उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) वैश्विक व्यापार एवं शुल्क संबंधी व्यवधानों के बीच इस्पात निर्यात को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) सरकारी अवसंरचना परियोजनाओं में देश में उत्पादित इस्पात के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) इस्पात विनिर्माण में कोकिंग कोयले के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए अपनाई गई कार्यनीति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में वर्ष 2030-31 तक 255 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन की परिकल्पना की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में क्रूड स्टील का उत्पादन लगभग 170.15 मिलियन टन रहा।

(ख) इस्पात क्षेत्र एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, और निर्यात संबंधी निर्णय इस्पात उत्पादकों द्वारा व्यावसायिक विश्लेषणों और प्रचलित अंतरराष्ट्रीय बाजार स्थितियों के आधार पर लिए जाते हैं। सरकार ने भारतीय इस्पात निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और वैश्विक व्यापार एवं शुल्क संबंधी व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें निम्नलिखित उपाय शामिल हैं:

i. निर्यात क्षमता वाले मूल्यवर्धित और उच्च श्रेणी के इस्पात के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष इस्पात हेतु उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का कार्यान्वयन;
ii. गुणवत्तापूर्ण इस्पात की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) अनिवार्य करना, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत निर्मित इस्पात की स्वीकार्यता बढ़े।

जारी...2/-

(ग) सरकार ने घरेलू स्तर पर विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति अधिसूचित की है, जिसके तहत सरकारी अधिप्राप्ति में घरेलू स्तर पर विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पादों का उपयोग अनिवार्य है। घरेलू विनिर्माण को सुदृढ़ करने के लिए इस नीति में समय-समय पर संशोधन भी किया गया है।

(घ) कोकिंग कोयले की अधिप्राप्ति अलग-अलग इस्पात कंपनियां अपने प्रौद्यो-वाणिज्यिक आकलन और प्रचलित बाजार स्थितियों के आधार पर करती हैं। आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अधिप्राप्ति लागत को अनुकूलित करने के लिए, इस्पात कंपनियां उपयुक्त स्रोत रणनीतियों को अपनाती हैं, जिनमें दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, तत्काल खरीद और आयात स्रोतों का विविधीकरण शामिल हैं। इस्पात निर्माण कंपनियां कोयला वाशरी और स्टाम्प चार्ज बैटरी का उपयोग करके घरेलू कोयले की खपत बढ़ाने का भी प्रयास करती हैं।

****